हार की जीत

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» बाबा भारती और सुलतान -- एक अनोखा प्रेम

» खड्गसिंह की चालाकी -- अपाहिज बनकर घोड़ा चुराना

» बाबा भारती की असली माँग -- घोड़ा नहीं, भरोसा

» शीर्षक का गहरा अर्थ -- 'हार की जीत' क्यों?

» मुहावरे और विशेषण -- कहानी से भाषा सीखना

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. पाठ के अनुसार बाबा भारती को सुलतान से कितना लगाव था, यह किन बातों से पता चलता है?

› वे खुद उसे खरहरा करते और दाना खिलाते थे
› उसकी चाल की तुलना 'मोर के नाचने' से करते थे
› शाम को सवारी किए बिना उन्हें चैन नहीं आता था

उत्तर – बाबा भारती को सुलतान से गहरा लगाव था -- वे खुद उसकी देखभाल करते, उसकी चाल पर मुग्ध रहते, और रोज़ शाम उस पर सवारी किए बिना उन्हें चैन नहीं आता था।

उदाहरण 2. खड्गसिंह ने बाबा भारती से सुलतान घोड़ा किस तरकीब से हासिल किया?

› उसने खुद को दुर्गादत्त वैद्य के सौतेले भाई के रूप में एक बेबस अपाहिज बताया
› बाबा भारती से घोड़े पर बिठाकर तीन मील दूर पहुँचाने की विनती की
› घोड़े पर बैठते ही अपना असली रूप दिखाकर लगाम छीनकर घोड़ा लेकर भाग गया

उत्तर – खड्गसिंह ने अपाहिज होने का नाटक करके बाबा भारती की दया का फ़ायदा उठाया, घोड़े पर बैठते ही लगाम छीनकर सुलतान को लेकर भाग गया।

उदाहरण 3. बाबा भारती ने खड्गसिंह से घोड़ा वापस माँगने की बजाय क्या माँगा, और क्यों?

› बाबा ने घोड़े के बारे में कुछ नहीं कहा
› उन्होंने खड्गसिंह से वचन माँगा कि यह घटना किसी को न बताए
› कारण बताया कि इससे लोग गरीबों और अपाहिजों पर भरोसा करना छोड़ देंगे

उत्तर – बाबा भारती ने घोड़ा वापस नहीं माँगा, बल्कि यह वचन माँगा कि खड्गसिंह यह बात किसी को न बताए, ताकि लोगों का गरीबों और ज़रूरतमंदों पर से भरोसा न उठे।

उदाहरण 4. 'हार की जीत' शीर्षक इस कहानी के लिए उचित क्यों है?

› बाबा भारती की भौतिक हार यह थी कि उन्होंने अपना प्रिय घोड़ा खो दिया
› उनकी नैतिक जीत यह थी कि उन्होंने अपने विचारों से डाकू खड्गसिंह का हृदय बदल दिया
› इस तरह भौतिक हार के भीतर एक बड़ी आत्मिक जीत छुपी हुई थी

उत्तर – 'हार की जीत' शीर्षक उचित है क्योंकि बाबा भारती घोड़ा खोकर (भौतिक हार) भी अपने उच्च विचारों से डाकू का हृदय जीतकर (नैतिक जीत) असली विजेता साबित हुए।

उदाहरण 5. 'बाबा घोड़े की चाल पर लट्टू थे' वाक्य में 'लट्टू होना' मुहावरे का क्या अर्थ है, और वाक्य में से एक विशेषण शब्द भी बताएं।

› 'लट्टू होना' मुहावरे का अर्थ है किसी चीज़ पर पूरी तरह मोहित/मुग्ध हो जाना

› वाक्य में बाबा घोड़े की चाल से इतने प्रभावित थे कि वे 'लट्टू' थे

› पाठ से एक विशेषण शब्द जैसे 'सुंदर' (घोड़ा सुंदर था) लिया जा सकता है

उत्तर – 'लट्टू होना' का अर्थ है पूरी तरह मोहित हो जाना; बाबा घोड़े की चाल पर पूरी तरह मुग्ध थे। पाठ से विशेषण का उदाहरण है 'सुंदर' (जैसे 'सुंदर घोड़ा')।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• बाबा भारती के त्याग (धन, ज़मीन, नगर-जीवन) और घोड़े के प्रति मोह -- दोनों बातों का ज़िक्र एक साथ करने से जवाब पूर्ण बनता है।

• घटनाओं का सही क्रम (धमकी -> बाबा का पहरा -> निश्चिंत होना -> अपाहिज का नाटक -> घोड़ा चोरी) परीक्षा में क्रमबद्ध प्रश्न में पूछा जा सकता है।

• 'बाबा भारती ने खड्गसिंह से कौन-सा वचन लिया' -- यह प्रश्न सीधे पाठ्यपुस्तक में भी है, उत्तर में कारण (लोगों का भरोसा) ज़रूर शामिल करें।

• शीर्षक की सार्थकता वाला प्रश्न बहुत आता है -- हमेशा 'हार' और 'जीत' दोनों को अलग-अलग स्पष्ट करके जवाब दें।

• मुहावरों के प्रश्न में हमेशा भावार्थ (लाक्षणिक अर्थ) लिखें, और विशेषण पहचानने के प्रश्न में शब्द के साथ यह भी बताएं कि वह किसकी विशेषता बता रहा है।

एक नज़र में रिवीज़न

› बाबा भारती - सब कुछ त्यागकर साधु बने, पर सुलतान (घोड़े) से गहरा मोह था।

› खड्गसिंह ने अपाहिज बनकर बाबा से घोड़े पर बिठाने की विनती की, फिर धोखे से घोड़ा लेकर भाग गया।

› बाबा ने घोड़ा नहीं, सिर्फ़ यह वचन माँगा कि सच किसी को न बताया जाए -- ताकि गरीबों पर से भरोसा न उठे। इससे प्रभावित होकर खड्गसिंह ने घोड़ा लौटाया।

› शीर्षक का अर्थ: भौतिक हार (घोड़ा खोना) के भीतर छुपी नैतिक/आत्मिक जीत (डाकू का हृदय-परिवर्तन)।

› मुहावरे: लट्टू होना (मोहित होना), हृदय पर साँप लोटना (ईर्ष्या); विशेषण = गुण बताने वाला शब्द।